

प्रेषक,
अनिल कुमार बाजपेयी,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश सरकार।

सेवा में,
निदेशक,
राज्य नगरीय विकास अभिकरण,
३०प्र०, लखनऊ।
नगरीय रोजगार एवं गरीबी
उन्मूलन कार्यक्रम विभाग।

महोदय,
उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-8885/24/10/छ:/विविध/2017-18, दिनांक 02.01.2019 के संदर्भ में
मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि "मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती विकास योजनान्तर्गत" वित्तीय
वर्ष 2018-19 में अनुदान संख्या-37 के अन्तर्गत जनपद-पीलीभीत की निकाय, नगर पालिका परिषद, पूरनपुर की
विभिन्न अल्पविकसित बस्तियों में इण्टरलाकिंग एवं नाली निर्माण कार्यों से सम्बन्धित अलग-अलग 02 परियोजनाओं,
जिसका विवरण संलग्न तालिका में दिया गया है, हेतु कुल ₹0 42.90 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति
सहित उक्त के सापेक्ष एकमुश्त रु0 42.90 लाख (रुपये बयालीस लाख नव्हे हजार मात्र) धनराशि की वित्तीय स्वीकृति

1375 | F2

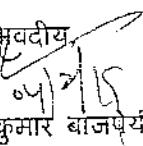
Georgian AEdit

- 3 /

6. स्वीकृत की जा रही धनराशि के आहरण से पूर्व सूड़ा द्वारा यह सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि शासनादेश संख्या-305/2018/504/69-1-18-60(म0ब0-83)/2018 दिनांक 31.03.2018 द्वारा आवंटित धनराशि का आहरण कोषागार से नहीं किया गया है।
7. उक्त धनराशि जिस कार्य/मद में स्वीकृत की जा रही है, उसका व्यय प्रत्येक दशा में उसी कार्य/मद में किया जायेगा। किसी प्रकार का व्यावर्तन अनुभव्य नहीं होगा। सामग्री/उपकरणों का क्रय वित्तीय नियमों के अनुसार किया जायेगा।
8. स्वीकृत की जा रही धनराशि बैंक/डाकघर/डिपाजिट खाते में नहीं रखी जायेगी। स्वीकृत धनराशि एकमुश्त आहरित न कर आवश्यकतानुसार आहरित कर व्यय की जायेगी।
9. उक्त प्रायोजन की मात्राओं को निर्माण के समय सुनिश्चित किये जाने का पूर्ण दायित्व कार्यदायी संस्था/सम्बन्धित इडा का होगा।
10. स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिका के सुसंगत प्राविधानों/समय-समय पर शासन द्वारा निर्गत शासनादेशों के अनुरूप किया जायेगा।
11. उक्त धनराशि यथासमय सम्बन्धित इडा इकाई (निर्माण इकाई) को उपलब्ध करा दी जायेगी। उक्त धनराशि सम्बन्धित निर्माण इकाई को अद्यमुक्त करने से पूर्व यह भी सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि उक्त परियोजनान्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु पूर्व में राज्य सरकार अथवा किसी अन्य स्रोत से धनराशि स्वीकृत नहीं की गई है तथा न ही यह कार्य किसी अन्य कार्य योजना में सम्मिलित है, जिससे कि शासकीय धन का दुरुपयोग न होने पाये, अन्यथा की स्थिति में स्वीकृत धनराशि तत्काल राजकोष में जमा कराकर शासन को सुचित किया जायेगा।
12. प्रश्नगत परियोजना से सम्बन्धित कार्यों की द्विरावृति/पुनरावृति न हो, यह सूड़ा/इडा द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।
13. उक्त धनराशि का आहरण निदेशक, राज्य नगरीय विकास अभिकरण, उ0प्र0, लखनऊ द्वारा प्रमुख सचिव/सचिव, विशेष सचिव तथा संयुक्त सचिव, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम विभाग के प्रतिहस्ताक्षरोपरान्त किया जायेगा।
14. प्रत्येक आहरण की सूचना महालेखाकार (राजकोष), महालेखाकार (लेखा), उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद को आदेश की प्रति के साथ कोषागार का नाम, बाऊचर संख्या, तिथि तथा लेखाशीर्षक की सूचना एक वर्ष के भीतर अवश्य उपलब्ध करा दी जायेगी।
15. इस धनराशि का उपयोग चालू वित्तीय वर्ष 2018-19 में अवश्य करा लिया जाये और इसके बाद उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। निर्धारित अवधि के बाद अनुपयोगित धनराशि, यदि कोई हो तो एकमुश्त शासन को वापस करनी होगी।
16. सेन्टेज चार्जेज (अधिष्ठान व्यय) की धनराशि वित्त (लेखा) अनुभाग-2 के शासनादेश संख्या-ए-2-23/दस-2011-17(4)/75, दिनांक 25.01.2011 में जारी विस्तृत दिशा-निर्देशों के क्रम में सुसंगत लेखा शीर्ष में जमा किया जायेगा।
17. स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष उतनी ही धनराशि आहरित की जायेगी, जितनी 31 मार्च, 2019 तक व्यय हो सके।

2. उपर्युक्त व्यव चालू वित्तीय वर्ष 2018-19 में अनुदान संख्या-37 के योजनान्तर्गत प्रस्तावित बजट में उपलब्ध धनराशि से लेखाशीर्पक “2217-शहरी विकास-04-गन्दी बस्तीयों का विकास-051-निर्माण-04-मुख्यमंत्री नगरीय अल्पविकसित व मलिन बस्ती विकास योजना-35-पूँजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदान” के नामे डाला जायेगा।
3. यह आदेश वित्त विभाग के कार्यालय द्वापर संख्या-1/2018/बी-1-375/दस-2018-231/2015, दिनांक 30.03.2018 व समय-समय पर जारी शासनादेशों के तहत निर्गत किये जा रहे हैं।

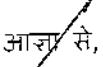
संलग्नक- यथोक्त।

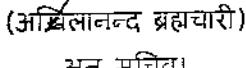

(अनिल कुमार बाजपेयी)
विशेष सचिव।

संख्या- १८७ /2019/2556(1)/69-1-18. तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी), प्रथम/द्वितीय, ३०प्र०,२० सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद।
2. महालेखाकार (लेखा परीक्षा), प्रथम/द्वितीय, ३०प्र०, इलाहाबाद।
3. निदेशक, स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग, ३०प्र०, छठवां तल, संगम प्लेस, सिविल लाइन, इलाहाबाद।
4. निजी सचिव, मा० मंत्री, नगर विकास, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम विभाग।
5. प्रमुख सचिव, नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम विभाग, ३०प्र० शासन।
6. जिलाधिकारी/अध्यक्ष, जिला नगरीय विकास अभिकरण, पौलीभीत।
7. वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-१, ३०प्र० शासन।
8. नियोजन अनुभाग-४, ३०प्र० शासन।
9. समाज कल्याण (दजट प्रकोष्ठ)/कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ, ३०प्र० शासन।
10. मुख्य कोषाधिकारी, जवाहर भवन, लखनऊ।
11. वित्त नियंत्रक, राज्य नगरीय विकास अभिकरण, ३०प्र०, लखनऊ।
12. सहायक वेब मास्टर, सूडा को विभागीय वेब साइट पर अपलोड कराने हेतु।
13. गार्ड फाइल/कम्प्यूटर सहायक/दजट समन्वयक।


आज्ञा से,


(अक्षिलानन्द ब्रह्मचारी)
अनु सचिव।

शासनादेश संख्या- 15 नं /2019/2556(1)/69-1-18-256(मुअ0-37)/2018, दिनांक १६ फरवरी, 2019 का
संलग्नक।

(धनराशि लाख रूपये में)

क्र० सं०	जनपद का नाम	निकाय/ नगर पंचायत का नाम।	बस्ती/वार्ड का नाम/कार्य का विवरण।	परियोजना की कुल लागत।	स्वीकृति की जाने वाली धनराशि।
1	2	3	4	5	6
1	पीलीभीत	न०पा०प०, पूरनपुर	वार्ड नं० 18 मो० कायस्तान में ओमवीर से संतोष समसेता के मकान धीरी के घर तक इंटरलाकिंग रोड निर्माण कार्य।	14.88	14.88
2	तदैव	न०पा०प०, पूरनपुर	मो० साहूकारा लाईनपार वार्ड नं० 10 पूरनपुर में देविस्तान रोड/फिरोज खां लकड़ी वालों की टाल से लियाकत खां के मकान से होते हुए भेज रोड तक इंटरलाकिंग रोड एवं नाली निर्माण कार्य।	28.02	28.02
योग				42.90	42.90

(रूपये वयालीस लाख नब्बे हजार मात्र)


(अमितलालनन्द ब्रह्मचारी)
अनु सचिव।